Arunachal University of Studies

Established by Govt. of Arunachal Pradesh vide Act 9 of 2012, the Arunachal University of Studies Act, 2012
Recognized as per u/s 2(f) of University Grants Commission Act, 1956
NH-52, District-Namsai, Arunachal Pradesh -792103

Master of Arts (Hindi)

Second Semester			
S. No.	**Name of Subject**	**Credits**	**Total Marks**
1	आलोचना / सिद्धांत और शास्त्र	6	100
2	हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास	6	100
3	हिंदी की आलोचना दृष्टियाँ	5	100
4	भाषा परिचय	5	100
Total		**22**	

विषय का नामः आलोचना / सिद्धांत और शास्त्र

- रस, अलंकार, ध्वनि, वक्रोक्ति
- काव्यास्वाद और साधरणीकरण; काव्य : हेतु, लक्षण, प्रयोजन; भरत का नाट्यशास्त्र
- प्लेटो, अरस्तू, लोंजाइनस, ड्राइडेन, वर्डस्वर्थ
- टी.एस. इलियट, आई॰ए॰ रिचर्ड्स, जार्ज लुकाच, अंतोनियो ग्राम्शी, एपफ.आरलीविस, रेमंड विलियम्स, मिखाइल बाख्तिन, शास्त्रवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, यथार्थवाद, संरचनावाद, विखंडनवाद

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. भारतीय साहित्यशास्त्र - बलदेव उपाध्याय
2. भारतीय काव्यशास्त्र - संपा. उदयभानु सिंह
3. काव्य तत्त्व विमर्श - राममूर्ति त्रिपाठी
4. भारतीय काव्यशास्त्र - सत्यदेव चौधरी
5. काव्याड्.दर्पण - डॉ. विजयबहादुर अवस्थी
6. रस मीमांसा - रामचंद्र शुक्ल
7. रस सिद्धांत - नगेन्द्र
8. रस– सिद्धांत : स्वरूप और विश्लेषण - आनंदप्रकाश दीक्षित
9. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा - नगेन्द्र
10. काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र
11. रस सिद्धांत और सौंदर्यशास्त्र - निर्मला जैन
12. काव्य–मीमांसा - ती.न. श्रीकंठैया
13. काव्यास्वाद और साधरणीकरण - राजेन्द्र गौतम
14. हिंदी अलंकार साहित्य का शास्त्रीय विवेचन - डॉ. ओमप्रकाश शर्मा शास्त्री
15. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा - संपा. नगेन्द्र, सावित्री सिन्हा
16. पाश्चात्य समीक्षाशास्त्र : सिद्धांत और परिदृश्य - सं. नगेन्द्र

17. प्लेटो के काव्य– सिद्धांत - निर्मला जैन
18. अरस्तू का काव्यशास्त्र - संपा. नगेन्द्र
19. काव्य के उदात्त तत्त्व (भूमिका) - नगेन्द्र
20. साहित्य सिद्धांत (अनूदित) - रेने वेलेक, आस्टिम वारेन
21. पाश्चात्य साहित्य–चिंतन - निर्मला जैन
22. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेन्द्रनाथ शर्मा
23. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - राजकुमार
24. संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र - डॉ. गोपीचंद नारंग
25. पाश्चात्य दर्शन और साहित्यिक अन्तर्विरोध : थलेस से मार्क्स तक - रामविलास शर्मा

विषय का नामः हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास

- साहित्य इतिहास और सामाजिक इतिहास का संबंध, स्मृति और इतिहास, भारतीय और पाश्चात्य साहित्येतिहास दृष्टि, साहित्येतिहास की सामग्री, चयन का प्रश्न, विचारधारा, तकनीक और साहित्यिक रूप
- आरंभिक इतिहासलेखन और पद्धतियाँ, आचार्य रामचंद्र शुक्ल का इतिहास,
- शुक्लोत्तर इतिहासलेखन (हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा)
- शास्त्रीय दृष्टि, मानववादी दृष्टि, स्वच्छंदतावादी दृष्टि, मार्क्सवादी दृष्टि, नव्येतिहासवादी दृष्टि, हिंदी भाषा का इतिहास, प्राकृत, अपभ्रंश और हिंदी, मध्यकाल में हिंदी का परिसर, ब्रजभाषा, खड़ी बोली, हिंदी, उर्दू, हिंदुस्तानी

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. हिंदी भाषा का संक्षिप्त इतिहास : भोलानाथ तिवारी
2. भाषाशास्त्र की रूपरेखा : उदय नारायण तिवारी
3. भाषा (हिंदी अनुवाद) लैनर्ड ब्लूम फील्ड
4. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेंद्रनाथ शर्मा
5. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
6. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
7. हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा
8. हिंदी भाषा : स्वरूप और विकास : कैलाशचंद्र भाटिया
9. हिंदी शब्दानुशासन : किशोरी दास वाजपेयी
10. हिंदी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरु
11. हिंदी भाषा : हरदेव बाहरी
12. हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
13. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
14. हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी
15. हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी
16. हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास (खण्ड 1 से 17) : नागरीप्रचारिणी सभा द्वारा प्रकाशित
17. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. नगेंद्र
18. भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास–परंपरा : रामविलास शर्मा
19. हिंदी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी
20. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
21. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास : हजारी प्रसाद द्विवेदी
22. हिंदी साहित्य : बीसवीं सदी : नंददुलारे वाजपेयी
23. परंपरा का मूल्यांकन : रामविलास शर्मा
24. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
25. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा

26. The Hindi Public Sphere (1920-1940) : Francesca Orsini

विषय का नामः हिंदी की आलोचना दृष्टियाँ

- शुक्लपूर्व आलोचना : भारतेंदु, महावीर प्रसाद द्विवेदी, मिश्र बंधु, पद्मसिंह शर्मा, शांतिप्रिय द्विवेदी
- रामचंद्र शुक्ल
- हजारीप्रसाद द्विवेदी
  विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
  नंददुलारे वाजपेयी
  नलिन विलोचन शर्मा
  नगेन्द्र
- रामविलास शर्मा
  नामवर सिंह
  रचनाकार आलोचक : प्रेमचंद, निराला, प्रसाद, पंत, महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह 'दिनकर', अज्ञेय, मुक्तिबोध, विजयदेव नारायण साही, निर्मल वर्मा

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. चिंतामणि (भाग 1 व 2) : रामचंद्र शुक्ल
2. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
3. आस्था और सौंदर्य (भाग 1 व 2) : रामविलास शर्मा
4. नयी कविता का आत्मसंघर्ष व अन्य निबंध : मुक्तिबोध
5. एक साहित्यिक की डायरी : मुक्तिबोध
6. सर्जना और संदर्भ : अज्ञेय
7. रचना और आलोचना : देवीशंकर अवस्थी
8. आलोचना और आलोचना : देवीशंकर अवस्थी
9. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह
10. छायावाद : नामवर सिंह
11. वाद–विवाद–संवाद : नामवर सिंह
12. आलोचक के मुख से : नामवर सिंह
13. कहानी : नयी कहानी : नामवर सिंह
14. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह
15. हिंदी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह
16. आलोचना की सामाजिकता : मैनेजर पाण्डेय
17. विचार का अनंत : पुरुषोत्तम अग्रवाल
18. आलोचना से आगे : सुधीश पचौरी
19. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्रा : शरण कुमार लिंबाले
20. कविता से साक्षात्कार : मलयज
21. छठवाँ दशक : विजयदेव नारायण साही
22. यथार्थवाद : शिव कुमार मिश्र
23. भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य : शिव कुमार मिश्र
24. रस्साकशी : वीर भारत तलवार
25. Nation and its Fragments : Parth Chatterjee
26. Opressive Present : Sudheer Chandra
27. The Hindi Public Sphere (1920-1940) : Francesca Orsini
28. One Language Two Nations – Christopher King.

विषय का नामः भाषा परिचय

- भाषा की प्रकृति और संरचना : भाषा और संप्रेषणऋ मानवेतर संप्रेषण और मानव–संप्रेषण भाषा–व्यवस्था (लांग) और भाषा व्यवहार (परोल); भाषा के घटक : ध्वनि, शब्द (रूप), वाक्य, प्रोक्ति (संवाद), बहुभाषिकताऋ सार्वभौमिक व्याकरण
- भाषा और समाज : भाषा और समाज का अंतस्संबंध, भाषाई विविधता और सामाजिक संदर्भ, भाषा और जेंडर, भाषा के प्रकार्य, भाषा–विकल्पन, भाषा और जनसंचार माध्यम, सामाजिक संघर्ष और भाषा
- (क) भाषा और मस्तिष्क :
  भाषा और संज्ञान
  भाषा–अर्जन
  भाषा अधिगम
  भाषा–विकास : दैहिक आधार
  (ख) भाषा और साहित्य
  भाषा और व्यक्ति
  भाषा की सर्जनात्मकता
  भाषा–संरचना के विभिन्न स्तरण
- समाज–भाषाई इकाई के रूप में भारत
  भाषा और सामाजिक अस्मिता, भारतीय बहुभाषिकता, भारत की भाषाएँ, भारत के भाषा–परिवार, भाषा–नियोजन, द्विभाषिक स्थिति कोड–मिश्रण और कोड–परिवर्तन

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिंदी : रामविलास शर्मा
2. भारत की भाषा समस्या : रामविलास शर्मा
3. हिंदी भाषा का संक्षिप्त इतिहास : भोलानाथ तिवारी
4. भाषाशास्त्र की रूपरेखा : उदय नारायण तिवारी
5. भाषा (हिंदी अनुवाद) लैनर्ड ब्लूम पफील्ड
6. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेंद्रनाथ शर्मा
7. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
8. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
9. हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा
10. हिंदी भाषा : स्वरूप और विकास : कैलाशचंद्र भाटिया
11. हिंदी शब्दानुशासन : किशोरी दास वाजपेयी
12. हिंदी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरु
13. हिंदी भाषा : हरदेव बाहरी
14. हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
15. भाषा और बोली : एक संवाद : आर.के. अग्निहोत्री
16. भाषा बहुभाषिकता और समाज : आर.के. अग्निहोत्री
17. Hindi Nationalism : Alok Rai
18. The Hindi Public Sphere (1920-1940) : Francesca Orsini
19. Colloquial Hindi : The Complete Course for Beginners : Tej K. Bhatia
20. Hindi Phonetic Reader : Omkar N. Koul
21. Modern Hindi Grammar : Omkar N. Koul
22. Outline of Hindi Grammar : R.S. McGregor
23. Semantics : F.R. Palmer
24. Sociolinguistic Theory : J.K. Chambers
25. Translation and Interpreting : R. Gargesh & K.K. Goswami
26. Applied Linguistic : R.N. Srivastava
27. Linguistics : An introduction to Language and Communication : A. Akmajian,R.A. Demers, A.K. Farmer, R.M. Harnish